जरूरत है जागने की, भ्रष्टाचार को मिटाने की

सारा सच अपडेट

www.SaraSach.com

सच्ची बात

fnYyh l s idkf'kr fgUnh ikf{kd lekpkj i=

◆वर्ष : 6 ◆अंक : 4 ◆1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2017 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए हिजरी 1438 RNI NO. DELHIN/2012/41828

अन्ना हजारे दिल्ली में फिर शुरू करेंगे अभियान

नई दिल्ली । सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने एक बार फिर दिल्ली में बड़े अभियान की तैयारी में हैं। देशभर में चुनाव सुधार को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे एक बार फिर अभियान शुरू करेंगे। इसका आगाज अन्ना हजारे के नेतृत्व में 16 अप्रैल को इंडिया हैबिटेट सेंटर में एक सेमिनार से होगा।इस अभियान में देश के सर्वाधिक चर्चित पूर्व चुनाव आयुक्त टीएस क2ष्णमूर्ति और एन गोपाल स्वामी, पूर्व आइएएस अधिकारी जयप्रकाश नारायण, एडीआर प्रमुख जगदीप छोकर सहित कई विशेषज्ञ शामिल होंगे।

इस अभियान को लेकर अन्ना हजारे के करीबी और इंडिया अगेंस्ट करप्शन से जुड़े अधिकारी सुनील लाल ने बताया कि सेमिनार में इस बात पर चर्चा होगी कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता कैसे लाई जाए। अभियान की संजीदगी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विशेषज्ञों के सुझाव को चार्टर के तौर पर तैयार किया जाएगा, जिसे अन्ना हजारे अगले दिन जारी करेंगे। इसे चुनाव आयोग के अलावा देश के प्रमुख लोगों को सौंपा जाएगा।

,yth u fn, fnYyh dh 28 txgks dk VªfQd tke e`ä cukus ds funs'k

नई दिल्ली। दिल्ली की ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस द्वारा किए जाने वाले उपायों को लेकर राजनिवास में बैठक बुलाई गई। उपराज्यपाल अनिल बैजल ने शहर में जगह–जगह बॉटल नेक की समस्या दूर करने के निर्देश दिए। सबसे पहले ट्रैफिक पुलिस द्वारा बताए गए 28 जगहों पर लगने वाले जाम की समस्या दूर करने को कहा गया।

राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर इससे पहले जनवरी में बैठक बुलाई गई थी। जिसमें ट्रैफिक पुलिस ने टास्क फोर्स के गठन तथा व्यस्त समय के दौरान जाम को दूर करने के उपायों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस अड्डा के समीप लगने वाले जाम, मथुरा रोड, मजनू का टीला के पास लगने वाले जाम, आश्रम चौराहे पर जाम के निजात के लिए वहां स्थायी रूप से ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की तैनाती व ट्रैफिक समस्या दूर करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों ने इसके बारे में उपराज्यपाल को बताया।

दिल्ली के अलग–अलग इलाकों में कुल 77 ऐसे स्थानों की पहचान की गई जहां ट्रैफिक जाम की अधिक समस्या होती है। इन स्थानों को ए, बी और सी कैटेगरी में बांटा गया। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि 28 स्थान ऐसे हैं जो ए कैटेगरी में शामिल हैं, और यहां व्यस्त समय के

अलावा भी दिनभर ट्रैफिक जाम की समस्या रहती है।

उपराज्यपाल ने इन सभी जगहों पर चरणबद्ध तरीके से ट्रैफिक समस्या दूर करने के निर्देश दिए। इसमें कितना समय लगेगा यह भी अधिकारियों को

पुनर्वास कालोनियों से हो रहा सौतेला व्यवहार : माकन

नई दिल्ली। दिल्ली की अनधिकृत व पुनर्वास कॉलोनियों में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए कांग्रेस लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में सम्मेलन आयोजित हुआ जिसे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय माकन सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र व दिल्ली सरकार पुनर्वास कॉलोनियों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। यही कारण है कि यहां बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। नगर निगम में कांग्रेस का शासन आने पर अनधि.त व पुनर्वास

कॉलोनियों व झुग्गी बस्तियों के विकास के लिए प्रत्येक वर्ष 2000 करोड़ रुपये का अलग से बजट का प्रावधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में इन कॉलोनियों के विकास के लिए जरूरी कदम उठाए गए थे। राजीव रत्न आवास योजना के तहत 62 हजार मकान बनने थे। कांग्रेस की दिल्ली सरकार ने 1600 मकान बना भी दिए थे उसके बाद एक भी मकान नहीं बना हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार व भाजपा शासित नगर निगमों की लापरवाही से दिल्ली में सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। यही कारण है कि डेंगू व चिकनगुनिया से पिछले वर्षों में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में अधिकांश गरीब थे।सम्मेलन के संयोजक देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली की 44 पुनर्वास कॉलोनियों के निवासियों को निशुल्क मालिकाना हक मिलना चाहिए। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस प्रभारी पीसी चाको ने की। इस मौके पर प्रदेश के सहप्रभारी कुलजीत सिंह नागरा, पूर्व सासद महाबल मिश्रा, दिल्ली के पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान, मंगत राम सिंघल, डॉ. योगानन्द शास्त्री सहित अन्य नेता मौजूद थे।

निगम की सत्ता में आई 'आप' तो रिहायशी हाउस टैक्स होगा माफ

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) मुखिया अरविंद केजरीवाल ने एक बड़ा चुनावी दांव खेला। उन्होंने यह ऐलान कर सबको चौंका दिया कि अगर दिल्ली नगर निगम चुनाव में आप सत्ता में आती है तो हाउस टैक्स खत्म कर दिया जाएगा। इतना ही नहीं जिन लोगों पर सालों का बकाया हाउस टैक्स है उसे भी माफ कर देंगे।

सिविल लाइन स्थित अपने निवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि हमने एमसीडी के खातों की जाच की है, वहा बहुत गड़बड़ियां मिली हैं। दिल्ली के लोग टैक्स तो दे रहे हैं, लेकिन इस टैक्स

की चोरी हो रही है। ऐसे में अगर आप चुनाव जीत जाती है तो किसी को भी रिहायशी टैक्स देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने जनता को विश्वास दिलाया कि विधानसभा चुनाव में किए अपने सारे वादे पूरे किए हैं। जो कहा सो किया है। इसलिए लोगों को हम पर भरोसा है कि हम जो कहते हैं वह करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निगमों की दयनीय हालत भाजपा व कांग्रेस के नेताओं ने की है। सत्ता में आने पर आप इसे एक साल में सुधार देगी। निगम के हर कर्मचारी को हर महीने की 7 तारीख को वेतन उनके खातों में पहुंच जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि जब हमने दिल्ली में सस्ती बिजली और मुफ्त पानी देने का वादा किया तो विपक्ष ने हमारा मजाक उड़ाया था। लेकिन हमने इसे कर दिखाया। हमें कहा जाता था कि इन्हें काम करना नहीं आता है। जबकि हमने दिल्ली वालों को 20 हजार लीटर मुफ्त पानी

'k"k i"B pkj ij

योगेंद्र यादव को झटका

gkbZdksVZ u s Bqdjkbl leku pquko fpUg dh ekx okyh ;kfpdk

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी से अलग होकर अपनी नई पार्टी स्वराज इंडिया के जरिए दिल्ली नगर निगम चुनाव में उतरे योगेंद्र यादव को आज दिल्ली हाईकोर्ट से उस वक्त तगड़ा झटका लगा, जब कोर्ट की ओर से उनकी समान चुनाव चिन्ह की मांग वाली याचिका को ठुकरा दिया गया।

चुनाव आयोग ने यादव की इस मांग को पहले ही मानने से इन्कार कर दिया था। जिसके खिलाफ योगेंद्र यादव की ओर से दिल्ली होईकोर्ट में एक याचिका दाखिल की गयी। लेकिन यहां से भी उन्हें को कोई राहत नहीं मिली।

मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस बदर दुरेज अहमद और वीके राव की बेंच के समक्ष आयोग की ओर से पेश हुए वकील सुमित पुष्करन ने कहा कि चुनाव आयोग के पास पंजीकृत लेकिन गैरमान्यता प्राप्त दलों को समान चुनाव चिंन्ह देने का कोई अधिकार नहीं है। दिल्ली नगर निगम चुनाव नजदीक है, ऐसे में कोर्ट का फैसला योगेंद्र यादव की चुनाव तैयारियों को प्रभावित कर सकता है। पार्टी की ओर से तीनों निगमों के लिए ज्यादातर

बता दें कि दिल्ली नगर निगम की सभी 272 सीटों पर 23 अप्रैल को

'k"k i"B pkj ij

संपादकीय

&lyhe vgen

n'k dk vc ufrd vkj lkLÑfrd Økfr dh t:jr

हम जिस मुल्क में रह रहे हैं, वह दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश कहा जाता है। इस लोकतंत्र को पाने के लिए हमारे पूर्वज लाखों लोगों ने संघर्ष किया और शहीद हुए, तब हमें यह आजादी मिली। जाहिर है हमने आजादी पाने के लिए कोई योगदान नहीं किया। हमें यह आजादी बिना किसी मेहनत, कुर्बानी के विरासत में या कहें कि मुफ्त में मिल गई।

जो चीज मुफ्त में या आसानी से बिना मेहनत किए मिल जाती है उसकी लोग कद्र नहीं करते, यह मानव स्वभाव माना जाता है। हम उसका दुरूपयोग करने लगते हैं। आज देश में जिस तरह के हालात हैं, ऊपर से लेकर नीचे तक जो कुछ हो रहा है क्या वही आजादी है? हर आदमी लोकतंत्र की अपने ढंग से व्याख्या कर मनमानी कर रहा है। संविधान का सम्मान नहीं हो रहा और अपने स्वार्थों के लिए संसद को अखाड़ा बना देते हैं।आज के हालात को देखते हुए कहा जा सकता है कि लोकतंत्र के नाम पर हमें सिर्फ दो चीजें ही हासिल हैं। पहली, हमें वोट देने का अधिकार है जिसके तहत हम अपनी पसंद का नेता चुन सकें यानी हमें अपनी सरकार चुनने का अधिकार है। दूसरा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर हम अपनी बात नहीं कह रहे बल्कि दूसरों को गालियां दे रहे हैं। दूसरों को अपमानित कर रहे हैं। विद्वेष फैला रहे हैं। सामाजिक समरसता की जगह समाज में कटुता और विष वमन कर रहे हैं। सरकार चुनने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्राता के अलावा हमारे पास आजादी के नाम पर क्या है। खबरें पढ़ने को मिल रही हैं गुंडों ने सरेआम सिपाही को गोली मार दी। बदमाश पुलिस से भिड़े। व्यापारी को गोली मारी। पिता को मौत के घाट उतारा। मां को मार डाला। भाई की हत्या कर दी। लोगों को कानून और न्याय व्यवस्था का डर ही नहीं है। सरेआम गोलियां चलाना या हत्या कर देना मानों कुछ लोगों का अधिकार बन गया है। कानून व्यवस्था को अपने हाथ में लेना जैसे लोगों का शौक बन गया है। गुंडे अपनी समानांतर सरकार चलाते सुने गए हैं। जजों पर जूता फेंका जाता है। दबंग लोग, सरकारी, गैरसरकारी जमीन पर कब्जा कर लेते हैं। उनकी तरफ आंख उठाने वाला कोई नहीं होता। जो आंख उठाता है वह खुद ही उठ जाता है।

देश में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। बिना भ्रष्टाचार के आप कोई काम नहीं करा सकते। जब राजनीति ही भ्रष्टाचार के दलदल में धंसी है तो मशीनरी का भ्रष्ट होना स्वाभाविक है। जो नेता सरकारी उत्सवों या सामाजिक समारोहों में हमें नैतिकता और ईमानदारी का पाठ पढ़ाते हैं, वही मंच से उतरकर उसी काम को करने लगते हैं। तब जनता उनके उपदेशों को क्यों मानेगी। नेताओं का यह हाल है कि उनका कोई सिद्धांत नहीं, उनकी कोई विचारधारा नहीं, जहां सत्ता सुख या लालच देखा, उसी पार्टी में घुस गए। कल तक जो जिसको गरियाते थे, आज उन्हीं के चरणों में पड़े हुए हैं। सरकार चुनने के नाम पर हम सही सरकार भी नहीं चुन सकते। हम तो भ्रष्टों में से कम भ्रष्ट चुनते हैं और कई बार वह भी नहीं क्योंकि कई बार हम एक बोतल शराब में बिक जाते हैं। कई बार लालच में तो कई बार अपना स्वार्थ देखते हैं और देश हित को पीछे छोड़ देते हैं। गुलाम और आजाद देश में सिर्फ यही फर्क है कि हम स्वतंत्राता के नाम पर किसी को भी गाली दे दें, किसी पर भी आरोप लगा दें, किसी भी समाज को अपमानित कर दें। क्या यही लोकतंत्र के मायने हैं। बलात्कार, लूट, डकैती, हत्या, रंगदारी, हफ्ता वसूली करने जैसे जुर्म में कई बार जेल जाते हैं और वहां से आने के बाद फिर अपने काम पर लौट आते हैं। ऐसे अपराधियों के लिए ही यह लोकतंत्र है। आज मेरा धर्म, मेरी जाति, मेरा संप्रदाय, मेरा घर, मेरे बच्चे, मेरा परिवार और ज्यादा हुआ तो स्वार्थ के नाम पर मेरा प्रांत तक मामला सिमटकर रह गया है। कोई भी देश की बात नहीं करता। हां, देश का नाम लेकर राजनीति जरूर करते हैं जिससे नाम और दाम कमाते हैं। देश और देश का नाम सिर्फ राजनीति करने और सत्ता हासिल करने के लिए किया जाता है। सब लोग खेमों में बंटे हुए हैं। कुछ लोग देश का नाम लेकर नफरत, वैमनस्यता, सांप्रदायिकता और विद्वेष फैलाते हैं।

जरूरत है जागने की, भ्रष्टाचार को मिटाने की

fodkl nj dk vkdM+k dh lPpkbZ

यह चौंकाने की बात नहीं कि चालू वित्त वर्ष 2016–17 की तीसरी तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद दर (जीडीपी) गिर कर 7 प्रतिशत रह गई। उसकी दो पूर्ववर्ती तिमाहियों में यह क्रमशः जुलाई–सितंबर में 7.4 और अप्रैल–जून में 7.2 फीसदी थी। केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (सीएसओ) ने जीडीपी की गणना की प्रक्रिया दो साल पूर्व बदली थी। इस प्रक्रिया को ले कर बहस इसलिए तीव्र हो गई क्योंकि अक्तूबर–दिसंबर 2017 की तिमाही के लिए जीडीपी की विकास दर का 7 फीसदी को जो आंकड़ा बताया जा रहा है, वह काफी अधिक है। इससे ऐसा लग रहा है कि सरकार की हालिया नोटबंदी के फैसले का कोई असर पड़ा ही नहीं है।

लोग यह मानते थे कि नोटबंदी का असर जीडीपी विकास दर पर आएगा। यहां तक कि सरकार भी अल्पकाल के लिए इस असर को स्वीकार कर रही थी। नोटबंदी से अचानक अर्थव्यवस्था में नकदी की किल्लत हो गई जिससे उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री गिरी। कारोबार में सुस्ती आई। इसका असर जीडीपी पर पड़ना ही था। विभिन्न एजेंसियों ने पहले से यह चेतावनी दी थी। मसलन, सीएसओ का आकलन आने के एक दिन पहले ही धनी देशों की संस्था आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने 2016–17 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अपने अनुमान को 7.4 से घटा कर 7 प्रतिशत कर दिया। रिजर्व बैंक का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में विकास दर 6.9 प्रतिशत रहेगी। वित्त मंत्रालय की आर्थिक समीक्षा में इसके 6.5 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान लगाया गया। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने इसके 6.6 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

जब सीएसओ के आंकड़े में नोटबंदी का असर दिखाई नहीं पड़ा तो यह बहस होनी ही थी कि सीएसओ के आंकड़े कितने सही माने जाएं? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावी भाषणों में इसे सही बता रहे हैं। वित्त मंत्री अरूण जेटली भी आंकड़ों के सही होने का दावा कर रहे हैं लेकिन कांग्रेस इसे झूठ का पुलिंदा बता रही है। प्रश्न यह है कि आंकड़ों की गणना में ऐसी क्या बात है कि जिसे लोग महसूस तो कर रहे हैं लेकिन वह दिखाई नहीं दे रही है?

सीएसओ कुछ वर्षों से ही तिमाही के अनुमानित आंकड़े देने लगा है। पूर्व में यह परंपरा नहीं थी। तिमाही आंकड़े आने के कारण लोगों की निगाहें इन पर अधिक रहती हैं। वैसे तिमाही आंकड़े अनुमानित ही होते हैं। कई बार राज्यों से मांगने पर भी या तो आंकड़े आते ही नहीं या फिर आधे–अधूरे आ पाते हैं। ऐसे में राष्ट्रीय स्तर पर आंकड़े जारी करते वक्त जहां से आंकड़े नहीं आते हैं उन्हें भी शामिल मान लिया जाता है। यही वजह है कि अंतिम आंकड़ों में संशोधन दिखाई देता है।

सीएसओ के आंकड़े अधिकाधिक स्तर पर संगठित क्षेत्रा के आंकड़े हैं और नोटबंदी के फैसले से जो क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित हुआ, वह असंगठित क्षेत्र है। असंगठित क्षेत्र में करीब एक तिहाई हिस्सा कृषि में आता है और सीएसओ के आंकड़ों के मुताबिक कृषि क्षेत्र की सलाना विकास दर 4 फीसदी रहेगी जो पिछले साल से ज्यादा है। इसी तरह आलोच्य तिमाही में विकास दर 6 फीसदी रहेगी। कृषि में जो विकास दर दिखाई दे रही है वह खरीफ की है यानी नोटबंदी के पहले की। नोटबंदी के बाद तो रबी की फसल की शुरूआत हुई थी जिसके आंकड़े तो अप्रैल 2017 के बाद ही आएंगे। 2 साल के दौरान सूखे के हालात रहे थे तो यह वृद्धि तो दिखाई देनी ही थी।

lkjk lp viMsV ds lfØ; ys[kd

vfer R;kxh शाहजहापुर, (यू.पी.)	शेरकोट **Mk- unyky Hkkjrh** इंदौर, (मप्र)
nhfIr 'kekZ आगरा (यू.पी.)	**dYiuk lekuh** नवी मुंबई
iUue 'kDyk गुड़गांव	**dkfrZ e[kthZ** लखनऊ (यूपी)
Mk- uhjt Hkkj}kt दिल्ली	**iztk JhokLro** सिहोर (मप्र)
r:'kkj jkt jLrkxh दिल्ली	**'kf'k JhokLro** नई दिल्ली
foHkkjkuh JhokLro बेगुसराय (बिहार)	**Mk- i#'kkÙke eh.kk**
j[kk tk'kh फरीदाबाद	**if.kek 'kekZ** मुरादाबाद (यूपी)
Hkkouk flUgk गया (बिहार)	**vueky 'kekZ** बागपत (यूपी)
Lkyhek vkfjQ जकिर नगर	**d-lh- oekZ** पटियाला
Lkekk jkt	**lkftn vyh** खुरेजी

आखिर कब तक ?

'kcue [kku

1. यदि आप शासनिक स्तर पर न्याय चाहते हैं।
2. यदि आपकी पुलिस या अन्य किसी सरकारी विभाग द्वारा कोई सुनवाई नहीं हो रही है।
3. यदि कोई सरकारी अधिकारी अथवा कर्मचारी काम के बदले आपसे रिश्वत मांग रहा है।
4. यदि कोई आपका शारीरिक एवं मानसिक रूप से शोषण कर रहा है।
5. यदि आप जीवनसाथी या किसी अन्य संबंधी द्वारा प्रताड़ित किए जा रहे हैं।
6. यदि किसी कार्यरत महिला/पुरुष का कार्यालय में अन्य तरीके से शारीरिक या मानसिक रूप से शोषण हो रहा है।
7. यदि किसी बुजुर्ग को परिवार में उचित सम्मान नहीं मिल रहा है।
8. यदि किसी शिक्षण संस्थानों में छात्र अथवा छात्राओं का मानसिक या शारीरिक स्तर पर शोषण हो रहा है।
9. यदि कोई आपको बाल मजदूरी के लिए बाध्य कर रहा है।
10. यदि शिक्षण संस्थानों द्वारा आपसे डेवलपमेंट चार्ज या डोनेशन के नाम पर अवैध धन वसूला जा रहा है।
11. यदि उपभोक्ता किसी सेवा या उत्पाद से संतुष्ट नहीं है।
12. यदि सरकारी अस्पतालों या प्राइवेट अस्पतालों में आपकी देख रेख उचित रूप से नहीं हो रही है तो घबराए नहीं, सम्पर्क करें:–

Miss Shabham Khan (President)
(Human Rights Activist)
EK Koshish Aur Abhi (EkAA) N.G.O.
Dedicated to Human Rights & Social Justice
E-mail :Khanshabnam.humarightactvist@Yahoo.in
www.ekkoshishaurabhi.org

lkjk lp ¼viMsV½

ikf{kd fgUnh lekpkj i=

&e[; lEiknd&
सलीम अहमद

&lg lEiknd&
उमेश कुमार झा
शाहनवाज सिद्दीकी

&lykgdkj&
दीपक त्यागी (एडवोकेट),
प्रदीप महाजन (आईएनएस),
डा. पी एल पलटा,
मनोज कुमार खत्री

&Nk;kdkj&
सुधीर कुमार, साजिद अली

C;wjks@foKkiu ifrfuf/k
&fnYyh&
रविन्दर कुमार,, एस सिद्दीकी,
अशफाक अली

&jktLFkku&
जयपुर–विशाल चौहान

&fgekpy insZ'k&
शिमला
शान मो. खान

&mÙkj insZ'k&
आगरा–हसीब हुसैन
अलीगढ़–मो. फरूख
फिरोजाबाद–फैसल मसरूर
मुज्जफर नगर–मो. इलियास

pslih rkM+s

यदि कोई भी सरकारी अधिकारी अपने पद का दुरूपयोग कर रहा है या कोई भी विभागीय अधिकारी आपका आर्थिक, मानसिक व शारीरिक शोषण करता है या फिर आपको किसी भी प्रकार की शिकायत है तो कृपया अपनी शिकायत/जानकारी पर हमें लिख भेजें। आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा। आपकी इच्छानुसार आपका नाम व पहचान गुप्त रखी जाएगी।

&fy[ksa&
e[; lEiknd % lyhe vgen
सारा सच अपडेट
12@596 xyh ucj% 2] oLV x: vtn uxj] y{eh uxj] fnYyh&110092
E-mail : sarasach99@gmail.com

;krk;krdfe;k dk çn"k.k l cpku d fy, 800 ekLd [kjhn tk,x

नई दिल्ली । राजधानी की जहरीली होती आबोहवा में ड्यूटी करने वाले यातायात पुलिसकर्मियों के लिए जल्द ही विशेष मास्क खरीदे जाएंगे। यातायात पुलिस ने पहले चरण में 800 मास्क खरीदने के लिए टेंडर जारी कर दिया है। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस एन–99 ग्रेडिंग वाले 1400 मास्क खरीदेगी। क्योंकि यह 99 फीसद प्रदूषण व सूक्ष्म धूलकण को फिल्टर कर सकता है। पहले चरण में 25 सर्किल में तैनात यातायातकर्मियों के लिए 800 मास्क खरीदे जाएंगे।अमेरिकी कंपनी

पहले चरण में 25 सर्किल में तैनात यातायातकर्मियों के लिए 800 मास्क खरीदे जाएंगे।

एनआइओएस ने भारत में मास्क बनाने वाली कुछ कंपनियों को उच्च गुणवत्ता वाले मास्क बनाने के लिए प्रमाणित किया है। उन कंपनियों से बातचीत के बाद ही टेंडर जारी किया गया है। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 3500 से ज्यादा यातायातकर्मी सड़कों पर तैनात रहते हैं। गत वर्ष 160 यातायात पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य की जाच कराई गई थी। उनकी रिपोर्ट हैरान करने वाली थी। लगभग सभी पुलिसकर्मियों में छाती व फेफड़े से संबंधित बीमारियों के लक्षण मिले। 25 फीसद यातायात पुलिसकर्मियों में एलर्जी, जबकि 25 फीसद में असामान्य ब्लड प्रेशर मिला। डॉक्टरों ने तत्काल उन्हें बढ़िया मास्क लगाने व जांच की सलाह दी थी। इसके बाद 200 पुलिसकर्मियों को मास्क दिए गए थे। बाद में इन पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य की जाच की गई तो वे स्वस्थ थे।

bMh,elh d dN dkxlh ik"knk d Hkh dV ldr g fVdV

पूर्वी दिल्ली। अभी तक तो भाजपा ने ही अपने पार्षदों को टिकट देने से मना किया था लेकिन पूर्वी दिल्ली नगर निगम के कुछ कांग्रेसी पार्षदों का भी पत्ता साफ हो सकता है। कांग्रेस इसके लिए कई स्तर पर सर्वे का काम करवा रही है। जिनकी रिपोर्ट खराब आएगी उनके टिकट काट दिए जाएंगे। गौरतलब है कि पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने पहले सभी पार्षदों को टिकट देने पर सहमति जताई थी। जिन पार्षदों की सीट महिला हो गई है उनके लिए यह कहा गया था कि वह अपने परिवार के किसी भी सदस्य को चुनाव लड़वा सकते हैं। लेकिन बाद में सभी पार्षदों सहित उस वार्ड के अन्य लोगों से भी आवेदन आमंत्रित किए गए। कई पार्षदों की सीट इस तरह आरक्षित हो गई है कि न तो वह खुद चुनाव लड़ सकते हैं और न ही उनके परिवार के सदस्य ही। क्योंकि कई सीट सामान्य से अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हो गई है और अनुसूचित जाति की कई सीट सामान्य हो गई है और गांधी नगर विधानसभा क्षेत्र में में तो एक वार्ड ही खत्म हो गया है। इसके अलावा कुछ पार्षदों की रिपोर्ट खराब आ रही थी। इसी वजह से प्रदेश नेतृत्व ने सभी वार्डों में सर्वे कराना शुरू किया है। इसके अलावा कॉल सेंटर के माध्यम से भी सर्वे का काम चल रहा है। पार्टी के एक नेता का कहना है कि आमतौर पर किसी पार्षद का टिकट काटा नहीं जाएगा लेकिन जिनके बारे में ज्यादा शिकायतें हैं या उस वार्ड में वर्तमान पार्षद से मजबूत कोई प्रत्याशी है तो उस स्थिति में टिकट काटे भी जा सकते हैं।

डेढ़ साल से सड़क जर्जर लोगों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। गीता कॉलोनी श्मशान घाट रोड की जर्जर हालत को लेकर स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कांग्रेस नेता जुगल अरोड़ा भी शामिल हुए।

लोगों का कहना था कि विधायक व पार्षद इस सड़क का सिर्फ शिलान्यास कर रहे हैं यहां अभी तक कुछ भी नहीं हुआ है। जुगल अरोड़ा ने बताया कि यह सड़क पिछले डेढ़ साल से जर्जर है। यहां से रिक्शे या दोपहिया से गुजरना दुर्घटना को दावत देता था। यहां से काफी संख्या में लोग श्मशान घाट पैदल जाते हैं। लोगों को चिंता यह रहती है कि कहीं शव नीचे न गिर जाए। स्थानीय आरडबल्यूए के जगजीत प्रधान ने कहा कि यहां से गुजरने वाले हजारों लोग परेशान होते हैं लेकिन कोई इस पर ध्यान नहीं दे रहा है। इस प्रदर्शन में गोपी अरोड़ा, बलोवदर सिंह, अशोक कपूर, अमित टुटेजा, दिनेश, सहित आरडब्ल्यूए के लोग शामिल हुए।

fnYyh e cuxh jkT;k dh çe[k Hkk"kvk dh vdkneh

नई दिल्ली। दिल्ली में विभिन्न राज्यों के लोग रहते हैं। सबकी अपनी भाषा भी है। दिल्ली सरकार राज्यों की प्रमुख भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए अकादमियों की स्थापना करेगी। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि इस बारे में पूरी कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे पता चल सके कि इस कार्य को किस तरह से कितने समय में पूरा किया जा सकता है।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि देश भर के लोग दिल्ली में रहते हैं। वे अपनी संस्कृति को जिंदा रखे हुए हैं, जबकि दिल्ली में अकादमी केवल कुछ भाषाओं की ही हैं। दिल्ली सरकार लंबे समय से इस कमी को महसूस कर रही है। दिल्ली विधानसभा में भी यह बात सामने आई थी, इसलिए

सरकार इसे जल्द ही शुरू कराएगी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि दूसरे दलों की तरह अकादमियों में अपने लोगों को लगाने का आम आदमी पार्टी काम नहीं करेगी। पार्टी इन अकादमियों में उन्ही लोगों को लाएगी जो अपनी भाषा और संस्कृति के लिए समर्पित होंगे।बता दें कि कुछ दिन पहले संपन्न हुए दिल्ली विधानसभा में अकादमियों को लेकर मांग उठी थी। जिसमें आदर्श शास्त्री ने भोजपुरी और मैथली भाषा को मान्यता देने की मांग की थी।

इसके साथ ही अन्य विधायकों ने दूसरे राज्यों के लोगों की दिल्ली में आबादी को देखते हुए उन राज्यों के कुछ प्रमुख त्योहारों का आयोजन दिल्ली सरकार की तरफ से किए जाने की बात कही थी। जिस पर दिल्ली सरकार की ओर से उप मुख्यमंत्री सिसोदिया ने बयान दिया था कि दिल्ली एक लघु भारत है।

यहां हर राज्य और कई भाषा के लोग रहते हैं, इसलिए वह इसकी कोशिश करेंगे कि दिल्ली में रहने वाले हर तबके के उत्सवों को धूमधाम से मनाया जाए। बजट सत्र पर चर्चा के दौरान विधायक मदन लाल द्वारा सभी राज्यों की प्रमुख भाषाओं की अकादमी गठित किए जाने की मांग पर भी उन्होंने आश्वासन दिया था।

Chetan Srivastava
98100 63006, 93100 63006
kaagzaat
कागज़ात
a complete property Documentation point
DDC
DELHI DOCUMENTATION CENTRE
Specialists in : Drafting & Registration of documents for Free Hold, Lease Hold, Commercial, Industrial, DDA, L&DO Society Properties & Flats wih Computer Processing & Manual Typing
LEASE HOLD TO FREE HOLD A SPECIALITY
Off : UG-28 Suneja Tower-I Distt. Centre Janak Puri, New Delhi-58 Ph : 2554 1618, 2561 7461
Br. Off :- Shop No.2 S-2/100 Old Mahavir Nagar, Near Mangla Hospital, New Delhi-18

Jolly Graphics
Offset, Multicolor, Screen Printing & Designing
Visiting-Wedding Card, Bill Book, Letterpad, Pamplate, Brochure, Sticker, Plasto ID Card, Keyring, Pan, Beg, Calender, Flex Board, Banner, Standy etc.
Video, Photography Marriege & Other Programme
(M) +91-9560135171, 9312007017
E-mail: jollygraphics171@gmail.com/ahmeddesigner433@gmail.com

AMAR VIDEO
STILL PHOTOGRAPHY & VIDEO COVERAGE WITH MIXING & COMPUTERISED EFFECTS
7/27, Geeta Colony, Delhi-110031
Ph. : 2434612 Mob. : 98103-68380
Amarjit Singh

Sara ENTERPRISES
Complete I.T. Solution &Service Management, Printing & Publication
+91-999-000-7067
www.Sara Enterprises.in

Sara ENTERPRISES
Construction, Maintenance, Finishing Work & Inerior Decorator
+91-999-000-7067
www.Sara Enterprises.in

Sara ENTERPRISES
Provide Security Guards, Conservancy Service & Man Power
+91-999-000-4667
www.Sara Enterprises.in

ekdfVx] ,fDtD;fVo] fMLVhC;Vj rFkk foKkiu ifrfufèk lEid dj
lkjk viMV dk pkfg, egurh] l?k"k"khy] t>k: C;jk phQ ¼lHkh ftyk½] lokndkrk
पाठकों के लिए विशेष
tk Hkh ikBd vPNh dgkuh] dfork,] [kcj bR;kfn nxk mlu ehfM;k l tMu dk ekdk feyxk
विज्ञापन
nk d lkFk ,d Ýh | ;k | 30 ifr'kr dh NV
gekj lekpkj i= d tfj, viu 0;kikj dk c<k,] ;k oclkbV ij viuh ifCyflVh d fy, lEid dj
सारा सच Update
lEid dj%
91-999-000-7067
www.sarasach.com
Email : sarasach99@Gmail.com

जल प्रदूषण : विनाश के मंडराते बादल

पानी प्रकृति प्रदत्त बेशकीमती उपहार है जिसके बिना धरती पर जीवन की कल्पना करना भी व्यर्थ है। यह एकमात्रा ऐसा प्राकृतिक संसाधन है जिसके कारण पड़ोसियों में ही नहीं बल्कि देशों के बीच भी युद्ध का शंखनाद गूंज उठता है। जन समुदाय को पीने और घरेलू कार्य के लिए पानी उपलब्ध कराने में असफल रहने वाली सरकारों को असफल घोषित कर दिया जाता है। सचमुच 'जल है तो कल है, जीवन का हर पल है।' इसलिए यदि पानी पर किसी तरह का संकट आता है तो जीवन पर भी संकट आना स्वाभाविक है।

जल पीने के अलावा उद्योग धंधों में सिंचाई, ऊर्जा उत्पादन एवं अन्न उत्पादन के लिए अत्यावश्यक है। पेयजल हमें प्राकृतिक जल स्रोतों से या भूमिगत जल से ही मिलता है परन्तु आज औद्योगिक फैलाव, बढ़ती आबादी, शहरी करण आदि से उत्पन्न प्रदूषण के बोझ से नदियों, तालाबों अथवा अन्य जल स्रोतों में विसर्जित रसायनिक, धात्विक अधात्विक एवं अन्य जहरीले रसायनों से जल की गुणवत्ता निरंतर बिगड़ती जा रही हैं। यहां तक कि भूमिगत जल जो इस संदेह की सीमा से परे समझा जाता था, अब विश्वसनीय नहीं रह गया है। आज के युग में मानव पर्यावरण प्रदूषण की सभी सीमाओं को लांघ चुका है। इसमें जल प्रदूषण अपना उच्च स्थान रखता है।

सामान्यतः प्राकृतिक जल में किसी

अवांछित बाह्य पदार्थ का प्रवेश, जिसके कारण जल की गुणवत्ता में कमी आती है, 'जल प्रदूषण' कहलाता है। प्रदूषक पदार्थों की प्रकृति के आधार पर जल प्रदूषण को चार वर्गों में बांटा जा सकता है–भौतिक प्रदूषण, रसायनिक प्रदूषण, शरीर क्रियात्मक प्रदूषण और जैव प्रदूषण।

भौतिक प्रदूषण के कारण जल की गंध, स्वाद तथा ऊष्मीय गुणों में परिवर्तन हो जाता है।

रसायनिक प्रदूषण जल में विभिन्न उद्योगों तथा अन्य स्रोतों से मिलने वाले रसायनिक जल के गुणों में होने वाले उन परिवर्तनों से है जो मानव की फिजियोलॉजी को हानिकारक रूप से प्रभावित करते है। जल का जैव प्रदूषण जल में विभिन्न रोगजनक जीवों के प्रवेश के कारण होता है जिसके कारण जल मानवीय उपयोगों के लिए अनुपयुक्त हो जाता है। जल प्रदूषण के कारकों को मुख्यतः प्राकृतिक और मानवीय दो स्रोतों में बांटा जा सकता है।

प्राकृतिक स्रोतों से प्रदूषण इतनी मंद गति से होता है कि सामान्यतः इसके कोई गंभीर परिणाम नहीं होते लेकिन पिछले कुछ दशकों मे औद्योगीकरण तथा शहरीकरण की तीव्रता एवं अन्य मानवीय गतिविधियों के कारण जल प्रदूषण की समस्या ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। जल प्रदूषण मानव के विभिन्न क्रियाकलापों के फलस्वरूप, जैसे–जल में घरेलू बहिःस्राव, कृषि बहिःस्राव, रेडियो एक्टिव अवशिष्ट तथा तेल आदि के मिलने से होता है।

जल प्रदूषण आज इस कदर बढ़ गया है कि देश की 80 प्रतिशत नदियां प्रदूषण की चपेट में हैं। ये नदियां सीवर और व्यवसायों से निष्कासित दूषित जल का कूड़ादान बनकर रह गयी हैं। रसायन, वस्त्रा, कागज, दवाओं, चीनी, पेट्रो रसायन, धातु और उर्वरकों के कारखानों के कारण नदियों में खतरनाक रसायन जाकर घुल–मिल रहे हैं। बड़े उद्योगों से निकला अवशिष्ट और बहिःस्राव भी जल को संदूषित करता है। शहरी आबादी द्वारा उत्पन्न मल–जल (सीवेज) भी बिना किसी उपचार के सीधे नदियों में बहा दिया जाता है। इससे नदियां तथा अन्य जल स्रोत बुरी तरह से प्रदूषित हो रहे हैं।नदियों के प्रदूषित होने से उनके किनारे स्थित जल व कुओं आदि का पानी भी प्रदूषित हो जाता है। ऐसी प्रदूषित नदियों, कुओं आदि के जल का उपयोग करने वाली जनसंख्या प्रभावित होती है जिससे लोग जानलेवा बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं।

अनुमान है कि विकासशील देशों की लगभग आधी आबादी जल प्रदूषण के कारण अनेक रोगों की चपेट में है। प्रदूषित जल में अमीबा, कृमि, जीवाणु और विषाणु आदि बहुलता में पाए जाते हैं जो शरीर तंत्रा में प्रवेश कर मनुष्यों में अनेक रोगों को जन्म देते हैं। इनमें गैस्ट्रोइन्टेस्टाइनल, त्वचा संबंधी, स्नायुतंत्रीय समस्या, चर्म रोग, हैजा, टायफाइड व कैंसर जैसी भयावह बीमारियां प्रमुख हैं।शुद्ध और स्वच्छ समझे जाने वाले भूमिगत जल भंडारों में भी अब रसायनिक विषाक्तता बढ़ने लगी हैं। आम नदियों में भी प्रदूषण इस कदर बढ़ चुका है कि उनमें पायी जाने वाली मछलियों में कैडमियम और पारे का पाया जाना आम बात हो गयी है। देश के कई भागों में भू–जल स्रोत इतना प्रदूषित हो चुके हैं कि उनके सेवन से इन इलाकों के लोग गंभीर रोगों की चपेट में हैं। भूमिगत जल में आर्सेनिक, क्रोमियम, नाइट्रेट, लैड, मैंगनीज, सल्फेट, फॉस्फेट आदि जैसे घातक रसायनों की बढ़ती मात्राा भावी खतरे का स्पष्ट संकेत दे रही है। औद्योगिक, नगरीय व कृषि से जुड़ी विकास की गतिविधियां ही इसके लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

अतः बढ़ते जल प्रदूषण की भयावह स्थिति को देखते हुए हमें इस दिशा में विशेष कार्यक्रमों तथा योजनाओं को क्रियान्वित करने की आवश्यकता है मसलन–देश भर में छोटे–छोटे बांध, बाढ़ के लिए नहरें, गहरे जलाशय, प्रदूषित जल, कूड़ा–करकट तथा औद्योगिक अवशिष्ट पदार्थ एकत्रा करने के विशाल जलाशय, आधुनिक सीवेज प्रणाली, जल निकासी की नदियां, सीवेज शोधन, केंद्र, बायोगैस संयंत्रा, सामूहिक शौचालय, वन–वृक्ष–उद्यान तथा प्राकृतिक वनस्पतियों का विस्तार आदि।

जल प्रदूषण को रोकने के लिए हमारी केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा जल प्रदूषण निवारण के लिए बनाए गए कानूनों का सख्ती से पालन होना चाहिए तथा आम जनता में प्रदूषण एवं उससे होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता पैदा करना आवश्यक है। इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण है प्रकृति की ओर पुनर्वापसी जिसके द्वारा प्रकृति के संतुलन को स्थापित कर सकते हैं तथा जल संरक्षण, जल प्रदूषण एवं जल संकट की समस्याएं हल कर सकते हैं।

cjkstxkjh esa gks ldrk g\ ekeyh btkQk

केंद्र की भाजपा सरकार के आधा कार्यकाल पूरा करने के बाद अब खबरें आ रही हैं कि युवाओं को मनमाफिक रोजगार दिलाने के लिए सरकार विशेष कार्ययोजना बना रही है। लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा सरकार आने पर एक करोड़ युवाओं को रोजगार दिलाने का वादा किया था। 60 महीने में से 33 महीने निकलने के बाद ऐसी खबरों को क्या माना जाए? इधर संयुक्त राष्ट्र श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2017 और 2018 के बीच भारत में बेरोजगारी में मामूली इजाफा हो सकता है और रोजगार सृजन में बाधा आने के संकेत हैं। संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने '2017 में वैश्विक रोजगार एवं सामाजिक दृष्टिकोण' पर अपनी रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के अनुसार रोजगार जरूरतों के कारण आर्थिक विकास पिछड़ता प्रतीत हो रहा है और इसमें पूरे 2017 के दौरान बेरोजगारी बढ़ने तथा सामाजिक असमानता की स्थिति के और बिगड़ने की आशंका जताई गई है।

> वर्ष 2016 में रोजगार सृजन के संदर्भ में भारत का प्रदर्शन थोड़ा अच्छा था। रिपोर्ट में यह भी स्वीकार किया गया कि 2016 में भारत की 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने में मदद की है। विनिर्माण विकास ने भारत के हालिया आर्थिक प्रदर्शन को आधार मुहैया कराया है जो क्षेत्र के जिस निर्यातकों के लिए अतिरिक्त मांग बढ़ाने में मदद कर सकता है। भारत सबसे अधिक युवाओं वाला देश है लेकिन यह जवानी देश के काम आने की जगह बरबाद हो रही है।

लेबर ब्यूरो ऑफ इंडिया के आंकड़े बताते हैं कि केंद्र में भाजपा सरकार आने के दो साल में महज 6–7 लाख युवाओं को रोजगार मुहैया हुआ है यानी 5 साल में एक करोड़ को रोजगार देना था तो 2 साल में यह संख्या 40 लाख होनी चाहिए थी। सरकार अब जिस विशेष कार्ययोजना पर काम कर रही है, उसके नतीजे कब तक आएंगे, कोई नहीं जानता। सवाल उठना लाजिमी है कि क्या यह योजना सरकार के अस्तित्व में आते ही नहीं बनानी चाहिए थी?

वर्ष 2017 और वर्ष 2018 में भारत में रोजगार सृजन की गतिविधियों के गति पकड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि इस दौरान धीरे–धीरे बेरोजगारी बढ़ेगी और प्रतिशत के संदर्भ में इसमें गतिहीनता दिखाई देगी। रिपोर्ट के अनुसार आशंका है कि पिछले साल के 1.77 करोड़ बेरोजगारों की तुलना में 2017 में भारत में बेरोजगारों की संख्या 1.78 करोड़ और उसके अगले साल 1.8 करोड़ हो सकती है। प्रतिशत के संदर्भ में 2017–18 में बेरोजगारी दर 3.4 प्रतिशत बनी रहेगी।

बेरोजगारी देश की सबसे बड़ी समस्या है जिसे मिटाने के दावे हर सरकार करती आई है। हकीकत सबके सामने है। सरकारें आती रही और जाती रही लेकिन बेरोजगारी मिटने की बजाय बढ़ती जा रही है। हर साल लाखों युवा रोजगार पाने की कतार में खड़े हो रहे हैं लेकिन उनकी उम्मीदों को पूरा करने वाला कोई नजर नहीं आता। लच्छेदार चुनावी वादे अपनी जगह हैं लेकिन वादे पर अमल करने की फुर्सत किसी को नहीं।

वर्ष 2016 में रोजगार सृजन के संदर्भ में भारत का प्रदर्शन थोड़ा अच्छा था। रिपोर्ट में यह भी स्वीकार किया गया कि 2016 में भारत की 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने में मदद की है। विनिर्माण विकास ने भारत के हालिया आर्थिक प्रदर्शन को आधार मुहैया कराया है जो क्षेत्र के जिस निर्यातकों के लिए अतिरिक्त मांग बढ़ाने में मदद कर सकता है। भारत सबसे अधिक युवाओं वाला देश है लेकिन यह जवानी देश के काम आने की जगह बरबाद हो रही है। 30 साल बाद देश में पूर्ण बहुमत वाली सरकार आई तो युवाओं की उम्मीदें बढ़ना स्वाभाविक था। बेहतर तो यही हो कि सरकार हर साल बताए कि उसने कितने युवाओं के सपनों को पंख लगाए? वादे के मुताबिक रोजगार मुहैया नहीं करा पाई तो उसके पीछे क्या कारण रहे? उन कारणों को दूर करने के लिए सरकार क्या कर रही है?

वैश्विक बेरोजगारी दर और स्तर अल्पकालिक तौर पर उच्च बने रह सकते हैं क्योंकि वैश्विक श्रम बल में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। विशेषकर वैश्विक बेरोजगारी दर में 2016 के 5. 7 प्रतिशत की तुलना में 2017 में 5.8 प्रतिशत की मामूली बढ़त की संभावना है। इस समय हम लोग वैश्विक अर्थव्यवस्था के कारण उत्पन्न क्षति एवं सामाजिक संकट में सुधार लाने और हर साल श्रम बाजार में आने वाले लाखों नवआगंतुकों के लिए गुणवत्तापूर्ण नौकरियों के निर्माण की दोहरी चुनौती का सामना कर रहे हैं।

उभरते देशों में हर दो श्रमिकों में से एक जबकि विकासशील देशों में हर पांच में से चार श्रमिकों को रोजगार की बेहतर स्थितियों की आवश्यता है। जारी आंकड़ों में दक्षिण एशिया एवं उप सहारा अफ्रीका में और अधिक गिरावट आने का खतरा है। इसके अलावा विकसित देशों में बेरोजगारी में भी गिरावट आने की संभावना है और यह दर 2016 के 6.3 प्रतिशत से घट कर 6.2 प्रतिशत तक हो जाने की संभावना है।

iFke i"B dk 'k"k

निगम की सत्ता...

दिया और 30 लाख गैलन पानी की बचत की। वहीं इस बार दिल्ली जल बोर्ड ने 178 करोड़ की आय भी की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक भाजपा और काग्रेस के पार्षदों ने निगम के पैसे की लूट मचाई है। जिसका खामियाजा जनता भुगत रही है। काग्रेस और भाजपा का एक–एक पार्षद पाच साल में जनता के पैसे की लूट करके स्कूटर से मर्सिडीज और बीएमडब्ल्यू तक पहुंच जाता है। हम उनकी इसी लूट को बंद करेंगे। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर जनता के पैसों की इस लूट की जाच कराएंगे और दोषियों को जेल भेजेंगे। दिल्ली को पूरे देश और दुनिया में एक मॉडल शहर के रूप में प्रस्तुत करेंगे।

योगेंद्र यादव को...

चुनाव होगा। जबकि मतगणना 26 अप्रैल को होगी। दिल्ली नगर निगम के इस बार के दिल्ली नगर निगम चुनाव में पहली बार आम आदमी पार्टी, स्वराज इंडिया, एआईएमआईएम और जन रक्षा पार्टी अपनी किस्मत आजमा रही हैं।

एक बड़ी बीमारी है डिप्रेशन

—फहमीना

ज्यादातर लोग अज्ञानवश अवसाद को कोई बीमारी नहीं मानते। दूसरी ओर यदि इसका समय पर सही इलाज न करवाया जाए तो रोगी आत्महत्या करने को भी प्रवृत्त हो सकता है। डिप्रेशन ग्रस्त व्यक्ति खुद को बहुत कमजोर समझने लगता है। कोई भी काम करना उसे बहुत मुश्किल लगता है। उसे लगता है कि उसकी याददाश्त बहुत कमजोर हो गई है। छोटी–छोटी बातों को याद रखना भी उसके लिए मुश्किल हो जाता है। अवसाद ग्रस्त व्यक्ति का आत्मविश्वास बिल्कुल खत्म हो जाता है। आपसी संबंधों में भी वह हीनभावना ग्रस्त हो जाता है। रोगी को कभी नींद बहुत ज्यादा आती है तो कभी बिल्कुल नहीं।

इस प्रकार का असंतुलन रोगी की भूख में भी देखा जा सकता है। कभी–कभी रोगी का मन करता है कि वह फूट–फूट कर रोए। अवसाद ग्रस्त व्यक्ति अपनी जीवनलीला समाप्त करने की चेष्टा भी कर सकता है इसलिए यह जरूरी होता है कि समय रहते ही इस रोग की पहचान कर ली जाए। अवसाद का असर केवल मन पर ही नहीं होता अपितु यह एक ऐसी दशा है कि जो पूरे शरीर पर अपना प्रभाव डालती है। डिप्रेशन पहले से मौजूद रोगों जैसे मधुमेह तथा हृदय रोग आदि को और बढ़ा भी सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सन 2020 तक हृदय रोग के बाद डिप्रेशन ही सबसे बड़ा रोग होगा जिसकी गिरत में विश्व की आबादी का एक बड़ा हिस्सा होगा। दरअसल डिप्रेशन स्वयं हृदय रोग के लिए एक बड़ा कारण है। विशेषज्ञों का मानना है कि मधुमेह के पीछे चिंता और तनाव का ही हाथ होता है। यदि कोई व्यक्ति अवसाद ग्रस्त है तो उसे मधुमेह होने की संभावना सामान्य व्यक्ति के मुकाबले दुगनी होती है। इसी प्रकार यदि डिप्रेशन और डायबिटीज साथ्घसाथ हो तो डायबिटीज को नियंत्रित करना तो मुश्किल होता ही है साथ ही इसके अनियंत्रित होने की संभावना भी बढ़ जाती है। कैंसर के लगभग 60 प्रतिशत रोगी डिप्रेशन से भी ग्रस्त होते हैं क्योंकि अवसाद के कारण इक्यूनसिस्टम बदल जाता है।

किसी भी व्यक्ति के अवसाद ग्रस्त होने के पीछे मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, आनुवांशिक तथा जैव वैज्ञानिक कारण हो सकते हैं। अवसाद से पीड़ित रोगी का उपचार प्रायः सायकोथैरेपी के द्वारा किया जाता है। इसके कई प्रकार होते हैं जिसमें प्रमुख है काग्नेटीव थैरेपी। यह उन लोगों के लिए प्रयोग की जाती है जिनके मन में सिर्फ नकारात्मक विचार ही आते हैं। इस पद्धति के अंतर्गत रोगी से बातचीत करके उसे सकारात्मक सोचने के लिए प्रेरित किया जाता है। उसे भविष्य के प्रति आशावान बनाने का प्रयास किया जाता है। अवसाद के इलाज के लिए कई प्रकार की दवाइयां भी प्रचलित हैं। इनमें ट्राईसायकिलिक एंटी डिप्रेशन ग्रुप तथा स्पैसिफिक सैरोटोनी रीअपटेक इनहाइविटस (एसएसआरआई) ग्रुप। एसएसआरआई ग्रुप की दवाइयां अपेक्षाकृत नयी हैं तथा इनके साइड इफैक्ट भी कम हैं। इनको लेकर लोगों में यह धारणा प्रचलित है कि इसे खाने वाला व्यक्ति इनका आदी हो जाता है परन्तु यह धारणा पूरी तरह गलत है।

इलेक्ट्रीकल कनवल्सीव थैरेपी अवसाद दूर करने का अन्य उपचार है। इसके अंतर्गत रोगी को कम वोल्टेज पर कुछ सेकेंड के लिए इलेक्ट्रीक शॉक दिया जाता है। यह रोगी को सप्ताह में दो–तीन बार और ज्यादा से ज्यादा दस बार दिया जा सकता है। लोगों में यह धारणा प्रचलित है कि यह आखिरी इलाज होता है परन्तु यह ठीक नहीं है। इलेक्ट्रीक शॉक सभी प्रकार के अवसाद के उपचार के लिए नहीं दिया जाता। प्रायः इसका प्रयोग तभी किया जाता है जबकि रोगी के मन में आत्महत्या का विचार आने लगता है।रोगी को शराब या अन्य मादक पदार्थों का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए क्योंकि इनके सेवन से एक ओर तो अवसाद बढ़ता है तथा दूसरी ओर इससे अवसाद रोधी दवाओं का असर भी कम हो जाता है।

अवसाद के रोगी को बिना मनोचिकित्सक की सलाह के नींद की दवाई या अवसाद दूर करने की दवाई नहीं लेनी चाहिए। साथ ही अवसाद के रोगी को चाहिए कि दिन में एक–दो घंटे बाहर अवश्य जाएं क्योंकि चमकती धूप तथा रोशनी अवसाद दूर करने में सहायक होती है। रोगी के आसपास के लोगों का सहयोग भी रोगी को अवसाद से उबरने में मदद देता है।

xfe;k esa djsyk gS egkykHkdkjh

हम भले ही करेले को कड़वा समझ कर नापसंद कर देते हैं मगर यह हमारी सेहत के लिहाज से काफी लाभदायक होता है। इसमें पौष्टिक तथा औषधीय गुण होते हैं जो दवा के रूप में काफी काम आते हैं। खासकर इस मौसम में करेले का सेवन करने से शरीर काफी ठंडा रहता है। आइए जानते हैं करेले के सेवन से किस प्रकार के होते हैं फायदे।

रक्त शोधक का करता है काम

इसमें मौजूद बिटर्स और एल्केलाइड तत्व रक्त शोधक का काम करते हैं। करेले की सब्जी खाने और मिक्सी में पीस कर बना लेप रात में सोते समय लगाने से फोड़े–फुंसी और त्वचा रोग नहीं होते। दाद, खाज, खुजली, सियोरोसिस जैसे त्वचा रोगों में करेले के रस में नींबू का रस मिलाकर पीना फायदेमंद है।

c<+krk gS jksx izfrjks/kd {kerk

करेले में मौजूद खनिज और विटामिन शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं जिससे कैंसर जैसी बीमारी से लड़ने की ताकत मिलती है।

ekVkik ls jkgr fnyk,

करेले का रस और एक नींबू का रस मिलाकर सुबह सेवन करने से शरीर में उत्पन्न टॉकसिंस और अनावश्यक वसा कम होती है और मोटापा दूर होता है।

mYVh&nLr esa Qk;nsean

करेले के तीन बीज और तीन काली मिर्च को घिसकर पानी मिलाकर पिलाने से उल्टी–दस्त बंद हो जाते हैं। अम्लपित्त के रोगी जिन्हें भोजन से पहले उल्टियां होने की शिकायत रहती है, करेले के पत्तों को सेंककर सेंधा नमक मिलाकर खाने से काफी फायदा होता है।

gStk esa jkgr

हैजे के रोगी को करेले के रस में प्याज का रस और कुछ बूंदे नींबू का रस मिलाकर देना लाभदायक है।

खूनी बवासीर में आराम मिलता है

करेले और पत्तों का रस एक चम्मच शक्कर मिलाकर पीने से खूनी बवासीर में आराम मिलता है।

रतौंधी में राहत दे

करेले के रस में पिसी काली मिर्च अच्छी तरह मिलाएं। यह लेप आंखों के बाहरी हिस्से पर लगाने से रतौंधी की बीमारी दूर होती है।

सिरदर्द में करेले के रस का लेप लगाएं

सिरदर्द होने पर करेले के रस का लेप लगाने से आराम मिलता है।

मुंह में छाले से दिलाता है आराम

मुंह में छाले होने पर करेले के रस का कुल्ला करना फायदेमंद है।

tksMksa dk nnZ ls nsa jkgr

गठिया या जोड़ों के दर्द में करेले की सब्जी खाने और दर्द वाली जगह पर करेले की पत्तों के रस से मालिश करने से आराम मिलता है।

e/kqesg jksfx;ksa ds fy, jkeck.k

करेला मधुमेह में रामबाण औषधि का काम करता है। करेले के टुकड़ों को छाया में सुखाकर पीसकर महीन पाउडर बना लें।

रोजाना सुबह खाली पेट एक चम्मच पाउडर का पानी के साथ सेवन करने से लाभ मिलता है। एक–चौथाई कप करेले के रस में समान मात्रा में गाजर का रस मिलाकर पीना फायदेमंद होता है। 10 ग्राम करेले के रस में शहद मिलाकर रोजाना पीने से मधुमेह नियंत्रण में रहता है। 10 ग्राम करेले के रस में 6 ग्राम तुलसी के पत्तों का रस मिलाकर रोज सुबह खाली पेट पीना लाभकारी है। एक करेले को एक कप पानी में अच्छी तरह उबालकर पिएं। आप इसमें हरे सेब का रस, आंवले का रस या 2–3 चुटकी हींग मिलाकर भी पी सकते हैं।

iFkjh jksfx;ksa ds fy, ver

पथरी रोगियों को दो करेले का रस पीने और करेले की सब्जी खाने से आराम मिलता है। इससे पथरी गलकर बाहर निकल जाती है। 20 ग्राम करेले के रस में शहद मिलाकर पीने से पथरी गल कर मूत्र के रास्ते निकल जाती है। इसके पत्तों के 50 मिलीलीटर रस में थोड़ी–सी हींग मिलाकर पीने से पेशाब खुलकर आता है।

ihfy;k esa mi;ksxh

पीलिया और मलेरिया जैसे बुखार में करेले को पीसकर निकाले गए रस को दिन में दो बार पिलाना चाहिए। पीलिया में कच्चा करेला पीसकर खाना फायदेमंद है।

vLFkek esa vkjkenk;d

एक कप पानी में दो चम्मच करेले का रस, तुलसी के पत्तों का रस और शहद मिलाकर रात में सोते समय पीने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस जैसे रोगों में आराम मिलता है।

बंबई प्रेसिडेंसी की राजधानी था महाबलेश्वर

महाबलेवर से 18 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पंचगनी मुंबई से महाबलेवर की ओर जाते समय पहले आता है। पंचगनी का प्रमुख आकर्षण टेबल लैंड है जोकि एक समतल पहाड़ी पर स्थित है। यहां से एक ओर मैदानों की हरियाली तथा दूसरी ओर बादलों का दृश्य देखने में अत्यंत आकर्षक लगते हैं। अनेक हिन्दी फिल्मों के प्रेम दृश्य एवं गीतों का फिल्मांकन इसी स्थान पर किया जाता है। फिल्म निर्माता–निर्देशकों में तो यह स्थल खासा लोकप्रिय है। पंचगनी में एक ओर कृष्णा नदी का प्रवाह, दूसरी ओर घने छायादार वृक्षों की तालिका तथा नैसर्गिक सौंदर्य अपने आप में अभूतपूर्व हैं।

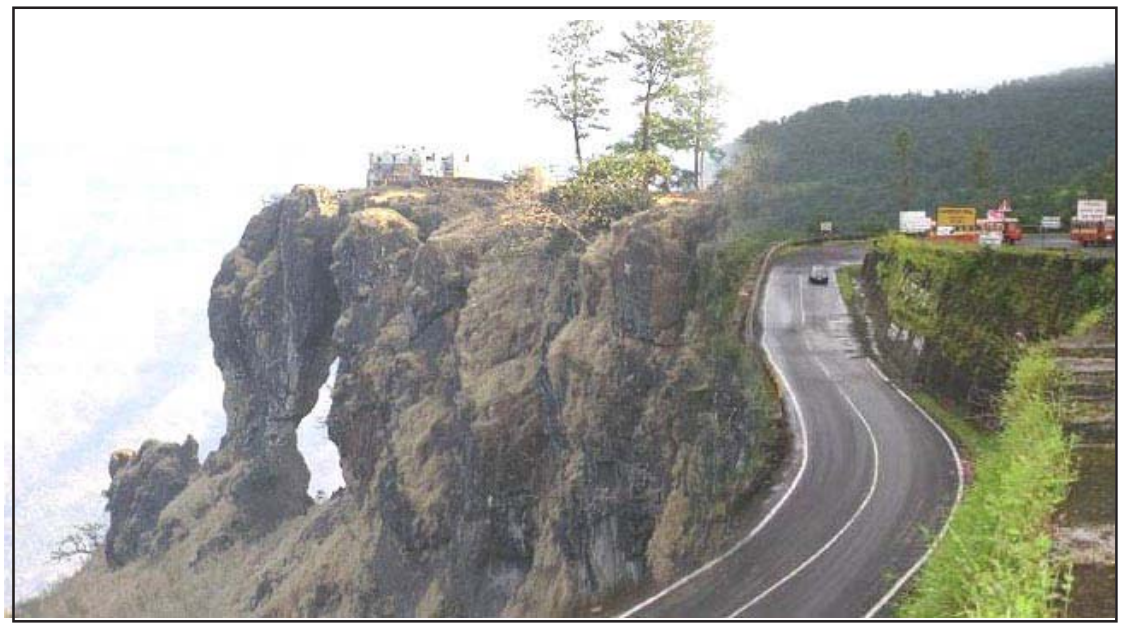

बंबई प्रेसिडेंसी की ग्रीष्मकालीन राजधानी रहे महाबलेश्वर को महाराष्ट्र के सर्वाधिक लोकप्रिय पर्वतीय स्थलों में शुमार किया जाता है। 1372 मीटर की ऊंचाई पर स्थित महाबलेश्वर महाराष्ट्र राज्य का सर्वाधिक ऊंचाई पर स्थित पर्वतीय स्थल भी है जोकि पांच किलोमीटर के घेरे में बसा हुआ है।13वीं सदी में यादव वंश के राजा सिंघन ने पांच नदियों– कृष्णा, कोयना, सावित्री, गायत्री तथा वेन्ना के उद्गम स्थल पर महादेव मंदिर का निर्माण करवाया था।

इसी स्थान का नाम कालांतर में महाबलेश्वर हो गया। महाबलेश्वर अनेक पर्वत मालाओं से घिरा हुआ है। सैलानियों को रिझाने के लिए यहां तीस से अधिक प्वाइंट हैं। सनसेट प्वाइंट, सनराइज प्वाइंट, विल्सन प्वाइंट, लोडविक प्वाइंट इनमें प्रमुख हैं।

वेण्णा झील में नौकायन, रंगबिरंगी मछलियों को पकड़ना, झील में तैरना आदि सैलानियों को आनंददायक लगता है। इसके साथ ही महाबलेश्वर में घुड़सवारी तथा राह में मधुमक्खियों से शहद निकालने की प्रक्रिया को देखना भी खासा रोमांचक होता है। टेढ़े–मेढ़े संकरे रास्तों से मकरंदगढ़ की ओर प्रयाण अथवा राबर्स केव का भ्रमण भी किया जा सकता है। वर्षा ऋतु एवं शीत ऋतु में अनेक स्थानों पर प्राकृतिक झरनों का अवलोकन करना भी सुखद अनुभव कराता है।

महाबलेश्वर से बीस किलोमीटर दूर स्थित प्रतापगढ़ किला भी देखने योग्य है। पानघाट पर स्थित यह किला छत्रपति शिवाजी के आठ प्रमुख किलों में से एक है। पश्चिम घाट में स्थित अन्य किलों की अपेक्षा प्रतापगढ़ का किला सर्वाधिक ऊंचाई पर स्थित एक भव्य दुर्ग है। महाबलेश्वर से प्रतापगढ़ के लिए बसों एवं कारों की व्यवस्था है।

महाबलेश्वर में 9 प्वाइंट का गोल्फ क्लब भी है जहां पर्यटक गोल्फ का आनंद उठा सकते हैं। आप पंचगनी भी जा सकते हैं। यह एक पर्वतीय विश्राम स्थल है जोकि पांच पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

महाबलेश्वर से 18 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पंचगनी मुंबई से महाबलेश्वर की ओर जाते समय पहले आता है। पंचगनी का प्रमुख आकर्षण टेबल लैंड है जोकि एक समतल पहाड़ी पर स्थित है। यहां से एक ओर मैदानों की हरियाली तथा दूसरी ओर बादलों का दृश्य देखने में अत्यंत आकर्षक लगते हैं। अनेक हिन्दी फिल्मों के प्रेम दृश्य एवं गीतों का फिल्मांकन इसी स्थान पर किया जाता है। फिल्म निर्माता–निर्देशकों में तो यह स्थल खासा लोकप्रिय है। पंचगनी में एक ओर कृष्णा नदी का प्रवाह, दूसरी ओर घने छायादार वृक्षों की तालिका तथा नैसर्गिक सौंदर्य अपने आप में अभूतपूर्व हैं। पंचगनी की विशेषता यह है कि यहां पर विश्व के अनेक देशों के घने छायादार वृक्षों की भरमार है। यहां पर फ्रांस के पाइन, स्काटलैंड के प्लम के अतिरिक्त बोस्टन के अंगूर और रत्नागिरि के आम के वृक्ष हैं।

मुंबई से यह स्थान 295 किलोमीटर दूर है। महाबलेश्वर से यहां आने के लिए बसों की ठीकठाक व्यवस्था है। महाबलेश्वर घूमने आने के लिए अक्टूबर से जून महीने का समय सबसे ज्यादा उपयुक्त रहता है। मुंबई से महाबलेश्वर के लिए राज्य सरकार द्वारा बसों की विशेष व्यवस्था की गई है।

इसके अतिरिक्त मुंबई से सात दिन के लिए पैकेज टुअर की भी व्यवस्था है। महाराष्ट्र पर्यटन विभाग द्वारा महाबलेश्वर एवं पंचगनी में आवास की भी अच्छी व्यवस्था की गई है।

;okvk dk yHkk jgk g ckM eu teV

किसी खास उत्पाद, उत्पाद लाइन या ब्रांड में मार्केटिंग तकनीकों के अनुप्रयोग को ब्रांड मैनेजमेंट कहते हैं। इसका उपयोग उत्पाद की उपभोक्ताओं में प्रचलित वेल्यू को बढ़ाने के लिए किया जाता है, जिससे ब्रांड फ्रेंचाइज के साथ–साथ ब्रांड इक्विटी भी बढ़ती है। सामान्यतः बाजारों में मार्केट्स द्वारा किसी भी ब्रांड को एक ऐसे आश्वासन के रूप में माना जाता है, जिसकी गुणवत्ता के स्तर की ग्राहकों को अपेक्षा होती है। इसी गुण के आधार पर ब्रांड वेल्यू तय होती है, जो भविष्य की खरीदी में निर्णायक भूमिका निभाती है। इसके द्वारा प्रतिस्पर्धी उत्पादों से अपने उत्पाद की तुलना कर विक्रय बढ़ाया जाता है। जैसे कि मेरी शर्ट से इसकी शर्ट सफेद क्यों? ब्रांड वेल्यू के आधार पर ही निर्माता अपने उत्पाद की अधिक कीमत वसूल करता है।

ब्रांड की वेल्यू का निर्धारण निर्माता के लिए निर्मित लाभ की राशि के आधार पर किया जाता है। इसे विक्रय में वृद्धि तथा कीमत में वृद्धि कर हासिल किया जा सकता है अथवा बेचे जाने वाले उत्पाद की लागत घटाकर भी प्राप्त किया जा सकता है। अधिक प्रभावी मार्केटिंग निवेश से भी यह प्राप्त होता है। इन सभी कयासों से किसी ब्रांड की लाभप्रदता बढ़ाई जा सकती है और इस तरह ब्रांड मैनेजर किसी भी ब्रांड की लाभ–हानि के जिम्मेदार होते हैं। इस संदर्भ में ब्रांड मैनेजमेंट की रणनीतियुक्त भूमिका मार्केटिंग से अधिक व्यापक होती है।

ब्रांडनेम की विशेषताएं...

–किसी भी ब्रांडनेम में निम्नलिखित विशेषताएं होना चाहिए

–उसे ट्रेडमार्क कानून के तहत संरक्षित किया जाना चाहिए या वह कम से कम ऐसा होना चाहिए कि जिसे संरक्षित रखा जा सके।

–ब्रांडनेम उच्चारण करने में आसान होना चाहिए।

–ब्रांडनेम आसानी से याद रखने लायक होना चाहिए।

–ब्रांडनेम आसानी से पहचाना जा सकने जैसा होना चाहिए।

–ब्रांडनेम बाजारों में जहां ब्रांड का उपयोग किया जाएगा, वह सभी भाषाओं में अनुवादित करने लायक होना चाहिए।

– ब्रांडनेम से कंपनी या उत्पाद का अनुमान लग जाना चाहिए।

–ब्रांडनेम आकर्षक होना चाहिए।

ब्रांडों की किस्में :– बाजार में कई किस्मों के ब्रांड उपलब्ध हैं। आमतौर पर प्रीमियम ब्रांड की कीमत उसी श्रेणी के अन्य ब्रांडों से ज्यादा होती है, जबकि इकॉनॉमी ब्रांड बाजार के आम ग्राहकों को लक्षित होता है। फाइटिंग ब्रांड को विशेष रूप से प्रतिस्पर्धात्मक खतरों का सामना करने के लिए बनाया जाता है।जब किसी कंपनी का नाम उत्पाद के ब्रांड नाम के रूप में उपयोग में लाया जाता है, उसे फैमेली ब्रांडिंग कहा जाता है। जब कंपनी के सभी उत्पादों को अलग–अलग ब्रांडनेम दिए जाते हैं, उसे इनडिविजुअल अथवा वैयक्तिक ब्रांड कहकर पुकारा जाता है।

जब कोई कंपनी नए ब्रांड को प्रस्तुत करने के लिए मौजूदा ब्रांड के साथ ब्रांड इक्विटी का उपयोग करती है, उसे ब्रांड लिवेरेजिंग कहा जाता है। जब कोई बड़ा रिटेलर किसी निर्माता से थोक मात्रा में कोई उत्पाद खरीदकर उन पर अपना ब्रांडनेम डाल देता है, उसे प्राइवेट ब्रांडिंग, स्टोर ब्रांड, व्हाइट लेबलिंग, प्राइवेट लेबल या ओन ब्रांड (यूके) कहा जाता है। प्राइवेट ब्रांडों को निर्माता के ब्रांडों से अलग किया जा सकता है।जब दो या अधिक ब्रांड अपने उत्पाद को मार्केट करने के लिए एकसाथ काम करते हैं, इसे को–ब्रांडिंग कहा जाता है। कोई भी एम्प्लायमेंट ब्रांड तब निर्मित होता है, जब कोई कंपनी संभावित प्रत्याशियों के साथ जागरूकता निर्मित करना चाहती है। कई मामलों में यह ब्रांड उनके ग्राहकों के लिए एक अटूट विस्तार बन जाता है।

क्या होता है ब्रांड आर्किटेक्चर :– किसी कंपनी के स्वामित्व वाले अलग–अलग किस्म के ब्रांड ब्रांड आर्किटेक्चर के माध्यम से एक–दूसरे से संबंधित होते हैं। प्रॉडक्ट ब्रांड आर्किटेक्चर में कंपनी कई अलग–अलग उत्पादों को सहायता प्रदान करती है, जिसमें प्रत्येक उत्पाद का अपना एक अलग नाम तथा उसे अभिव्यक्त करने की शैली जुदा होती है, लेकिन ग्राहकों को कंपनी कहीं भी दिखाई नहीं देती है।कई लोगों का मानना है कि प्रॉक्टर एंड गैम्बल उत्पाद ब्रांडिंग का निर्माण करती है, जबकि टाइड, पैम्पर्स, आइवोरी तथा पेंटिन जैसे कई कंजूमर ब्रांडों का आपस में कोई संबंध नहीं है। कंपनी कुछ ब्रांडों के साथ अपना नाम इसलिए भी जोड़ देती है, ताकि उन्हें मदर ब्रांड का फायदा मिल सके और कंपनी का मार्केटिंग खर्च बच सके। तीसरे मॉडल में सारे उत्पादों के साथ ब्रांड नेम का ही उपयोग किया जाता है और सारे विज्ञापन एक स्वर में इसके गुणगान करते हैं। ब्रांड आर्किटेक्चर का एक अच्छा उदाहरण है यूके स्थित सम्पिण्डित वर्जिन। वर्जिन द्वारा अपने सारे उत्पादों के साथ वर्जिन का उपयोग किया जाता है जैसे कि वर्जिन मेगास्टोर, वर्जिन एटलांटिक, वर्जिन ब्राइडस आदि। इन सारे उत्पादों के साथ एक ही स्टाइल में वर्जिन को प्रदर्शित किया जाता है, ताकि दूर से भी देखने वाला इसे पहचान सके।

ब्रांड तकनीक :– कभी–कभी कंपनियां उनके द्वारा मार्केट करने वाले ब्रांडों की संख्या घटाना चाहती है। इस प्रक्रिया को ब्रांड राशनेलाइजेशन कहा जाता है। कुछ कंपनियों की प्रवृत्ति ब्रांड के अंदर ही ज्यादा ब्रांड तथा उत्पाद अंतर निर्मित करने की होती है। कभी–कभी वह लक्षित प्रत्येक बाजारों के लिए कतिपय विशिष्ट सेवा अथवा उत्पाद ब्रांड का निर्माण करेंगी। प्रॉडक्ट ब्रांडिंग के मामले में इसका उद्देश्य खुदरा विक्रेताओं को लाभान्वित करना है।

चुनौतियां ब्रांड मैनेजरों की :– ब्रांड मैनेजरों के सामने ये चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं कि ब्रांड के संदेश को ताजा तथा प्रासंगिक बनाए रखते हुए एकसंगत ब्रांड का निर्माण करें। पुराने ब्रांड की पहचान परिष्कृत बाजारों के साथ जोड़ने से गड़बड़ी हो सकती है। इसके लिए उसे दोबारा विजन स्टेटमेंट तथा मिशन स्टेटमेंट आरंभ करने की आवश्यकता होगी।

www.sarasach.com
सारा सच Update
Web · Print · Media

lkjk lp ,d tfj;k g nfu;k dh lcl cMh ifl) lk'ky uVofdx lkbV ij viu dkjckj dk cM yoy ij c<ku d fy, lkjk lp v[kckj@oc lkbV e foKkiu ndj viuh ifCyflVh djok,! D;kfd lkjk lp u bu ij viuh ikQkby@vkbMh cukdj viuh igpku cukbl g vkj ykxk dk viu lkFk tkMdj ge'kk viMV jgrk gA
lEidl dj % $91&999&000&7067

E-mail : sarasach99@Gmail.com

JOIN-US Facebook Google Plus

0;kikj lekpkj

lfoax vdkmaV ij udn fudklh dh fyfeV gVbZ iwjh rjg [kRe

नई दिल्ली। सेविंग बैंक अकाउंट पर जारी नकद निकासी की लिमिट को अब पूरी तरह से हटा दिया गया है। आरबीआई की ओर से होली की मौके पर ग्राहकों को यह बड़ी सौगात देने की घोषणा फरवरी के महीने में ही कर दी गई थी। यानी 13 मार्च से ही सेविंग्स अकाउंट से नकदी निकालने की सभी सीमाएं खत्म हो रही हैं। आपको बता दें कि नोटबंदी के फैसले के बाद तमाम बैंक खातों और एटीएम से नकदी निकासी पर तरह–तरह की सीमाएं लगाई गई थीं, जिसे कई बार संशोधित किया गया। 12 मार्च तक ग्राहक अपने सेविंग बैंक अकाउंट से हर सप्ताह मात्र 50,000 रुपए की ही निकासी कर सकते थे। फरवरी महीने की 8 तारीख को रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति की समीक्षा के बाद बड़ा ऐलान करते हुए कहा था कि 20 फरवरी से बैंकों से कैश निकासी की सीमा बढ़ाकर 50 हजार रुपए कर दी जाएगी वहीं 13 मार्च से खाते से पैसे निकालने की सीमा पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। इसकी जानकारी देते हुए रिजर्व बैंक के गवर्नर उर्जित पटेल ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी। 20 फरवरी से पहले सेविंग अकाउंट से निकासी की साप्ताहिक निकासी की अधिकतम सीमा 24 हजार रुपए थी जिसे 20 फरवरी से 50 हजार रुपए किया गया। वहीं करेंट अकाउंट, ओवरड्राट और कैश क्रेडिट खातों से निकासी की सीमा 30 जनवरी को ही समाप्त कर दी गई थी। साथ ही एक फरवरी से एटीएम से नकदी निकासी की सीमा भी समाप्त कर दी गई थी।

0;kikj

th,lVh dh njksa esa gks ldrk gS FkksM+k vkSj btkQk% lhchbZlh

नई दिल्ली। नई वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में अप्रत्यक्ष करों की प्रभावी दर पर अभी अस्पष्टता है। वैसे तो इस पर काम जारी है, लेकिन केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) ने कहा है कि करों को मौजूदा स्तर से कुछ बढ़ाए जाने की संभावना है। सीबीईसी के चेयरमैन नजीब शाह ने बताया कि माना जा रहा है कि कम से कम पहले पांच साल के दौरान कर निर्धारण का मौजूदा स्तर नहीं घटेगा। फिलहाल इसमें थोड़ी बढ़ोतरी होगी। अभी 5, 12, 18 और 28 फीसद वाले चार स्लैब के टैक्स ढांचे पर काम जारी है। कर दरों के अलावा सेस भी होगा। यह उस कोष का हिस्सा बनेगा जिससे राज्यों को जीएसटी लागू होने पर राजस्व हानि की भरपाई की जाएगी। जीएसटी परिषद उन जिंसों का निर्धारण करेगी जिन पर सेस लगेगा।सीबीईसी सुझाव देगा, लेकिन कोई भी फैसला सिर्फ जीएसटी परिषद ही लेगी। आखिरकार यह राज्यों और केंद्र के बीच राजस्व का सवाल है। राजस्व सचिव हसमुख अढिया ने हाल ही में एलान किया था कि काउंसिल ने जीएसटी में टैक्स की अधिकतम दर 14 फीसद से बढ़ाकर 20 फीसद कर दी है। इससे भविष्य में जीएसटी के तहत 40 फीसद तक टैक्स वसूलने का रास्ता खुल गया है।

fQYe txr

डांसिंग रोल करना चाहती है अदा शर्मा

अदा शर्मा ने विक्रम भट्ट की '1920' के साथ अपने कैरियर की शुरुआत की। इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट डेब्यू फिल्मफेयर अवार्ड हेतु नॉमिनेशन मिला। अदा शर्मा के पिता नेवी में कैप्टन थे जिनकी मृत्यु हो चुकी है। मां एक डांसर हैं। ? अदा शर्मा की अगली फिल्म 'फिर' नहीं चली। 'हंसी तो फंसी और 'हार्ट अटैक' 'हम हैं राही कार के' भी फ्लाप रहीं। इसके बाद उन्हें ज्यादातर सेकंड हीरोइन वाले रोल ऑफर हुए जबकि अदा मेन लीड वाले केरेक्टर करना चाहती थीं इसलिए उन्होंने साउथ की ओर रूख करते हुए वहां की कुछ फिल्में स्वीकार कर लीं।

साउथ की एक्ट्रेस बड़े कैनवास की ख्वाहिश में अक्सर बालीवुड का रूख करती हैं लेकिन अदा शर्मा ऐसी एक्ट्रेस हैं जो बॉलीवुड की 4–5 फिल्में करने के बाद साउथ चली गईं। वहां मन पसंद फिल्में और पसंद का काम मिलने लगा तो वहीं रम गईं। 'कमांडो 2' के जरिए अदा शर्मा एक बार फिर बॉलीवुड में वापसी की है। इस फिल्म में अदा ने भावना रेड्डी नाम की हैदराबादी लड़की का किरदार निभाया है। उनके अपोजिट विद्युत जामवाल हैं। अदा शर्मा ने फिल्म में बेहतरीन काम किया है। फिल्म में उन्होंने जिस हैदराबादी लहजे का इस्तेमाल किया है, उसकी खूब प्रशंसा हो रही है। 'कमांडो 2', 'कमांडो' का सीक्वल है। इसकी काफी शूटिंग लद्दाख में हुई है। 'कमांडो' की तरह एक्शन रोमांस बेस्ड 'कमांडो 2' को पहले भाग से अलग बनाने के लिए इसमें कई तरह के परिवर्तन किये गये हैं। विद्युत जमवाल का एक्शन किरदार है। अदा के हिस्से में भी काफी एक्शन सीन आये हैं। फिल्म के निर्देशक देवेन भोजानी हैं। जो कि बेसिकली मशहूर कॉमेडियन एक्टर रहे हैं। अदा शर्मा कथक, सालसा और बैली डांस की ट्रेंड डांसर हैं लेकिन अदा को इस बात का बेहद मलाल रहा है कि उनके इस टेलेंट का सही उपयोग अब तक फिल्मों में नहीं हो पाया है। बॉलीवुड की तुलना में उन्हें साउथ की फिल्मों में डांस सांग करने के ज्यादा अवसर मिले हैं। 'कमांडो 2' में उनका एक जबर्दस्त डांस सांग है। 'कमांडो 2' के अलावा अदा शर्मा की आने वाली फिल्मों में 'जग्गा जासूस' बेहद महत्त्वपूर्ण हैं। यह 31 मार्च को रिलीज होगी। इन फिल्मों में अदा शर्मा का अहम किरदार हैं। 'कमांडो 2' के लिए मिले अच्छे रिस्पॉस के बाद स्वाभाविक रूप से अदा बेहद उत्साहित है। साउथ की फिल्मों ने अदा का बुरे वक्त में सहारा दिया इसलिए अब अदा वहां की फिल्मों को छोड़ने के मूड में नहीं है। आज वह दोनों इंडस्ट्री में समान रूप से सक्रिय है। उनके लुक्स और एक्टिंग की हर समय प्रशंसा होती रही है।

आपात सेवा में कैरियर

दुनियाभर में हर साल लाखों लोग सही समय पर इलाज ना मिलने के कारण मर जाते हैं। हालांकि विकसित देशों की स्थिति कुछ बेहतर है लेकिन भारत जैसे विकासशील देशों में इमरजेंसी सर्विसेज की हालत बहुत ही खस्ता है। यही कारण है कि राज्य सरकारों के साथ–साथ राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह के हालात से निपटने को लेकर सुगबुगाहट देखी जा सकती है। वर्तमान में, इमरजेंसी चिकित्सा से संबंधित कई कोर्स संचालित किए जा रहे हैं और इससे जुड़े लोगों के लिए नौकरियों के काफी अवसर हैं–

उद्देश्य –आपातकाल के दौरान दी जाने वाली प्राथमिक चिकित्सा के तीन उद्देश्य है– जीवन को बचाना, कष्टों की रोकथाम करना, मरीज को बदतर स्थिति से बचाना आदि। प्राथमिक चिकित्सा से संबंधित कोर्स करने के बाद हजारों लोगों को जिंदगी को बचाया जा सकता है। यदि दुर्घटना के बाद व्यक्ति को तुरंत मेडिकल मदद उपलब्ध करायी जाए तो उसके दर्द और मौत के कारणों को रोका जा सकता है।

जरूरत –इस समय बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं के बाद प्राथमिक उपचार न मिल पाने के कारण मौतों की संख्या में इजाफा हो रहा है। यदि इन दुर्घटनाओं के बाद सही तरीके से प्राथमिक उपचार मिल जाए तो लोगों की जान बचायी जा सकती है। यही कारण है कि अधिकतर अस्पताल अपने यहां के एंबुलेंस में इमरजेंसी टेक्नीशियनों की भर्ती करने लगे हैं जिससे घायल लोगों को रास्ते में इतना प्राथमिक उपचार मिल सके और उनकी हालत पर काबू पाया जा सके। नौकरी –आपातकाल में प्राथमिक चिकित्सा मेडिकल पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद छात्रों के लिए करियर के कई विकल्प मौजूद हैं। इसके लिए देश ही नहीं, विदेशों में भी आपके लिए करियर की संभावनाएं हैं।

Kumar Associates

Soliciter & Advisor (Legal)

Delhi District Court & High court
Karanjeet Kumar (Advocate)

H.O. : 133-A Krishan Kunj Extn.
Laxmi Nagar, Delhi-110092
Mob :9999839708, 8527362212

Vinod Kumar 9899317267
Varun Kumar 9212738941 9999963395
VARUN
Canvas-Company
Wholesaler of :
All Kinds of Blankets, Cotton Cloth.
Spl. in : Blankets, Plastic Tirpal, Plastic Tubes, Cotton Cloths, Tents, Car-Scooter Cover
12-A, Azad Market, Near Pul Mithai, Delhi-6
E-mail: varuncanvasco@yahoo.co.in

IPCS
Indian Pest Control Services
PRE & POST CONSTRUCTION ANTI-TERMITE TREATMENT
Dr. P. K. Sahani
(Entomologist)
WZ-250 C, NEAR MTNL EXCHANGE
OPP. PUSA INSTITUTE INDER PURI
NEW DELHI-110012
PH. 64522051 M. 9810437316
E-mail: pks0573@rediffmail.com
ipcs.7340@rediffmail.com

lkjk lp viMsV fgUnh ikf{kd lekpkj i= iklr djus ds fy,

Subscription From / lnL;rk gsrq QkeZ

नाम : ....
पता : ....
शहर : ....पिन : ....
फोन : .... मोबाइल :..........
ईमेल: ....

समयावधि : एक वर्षः 100/–..........तीन वर्ष : 300/– ....
पांच वर्ष : 500/–..........आजीवन : 3000/– ....

भुगतान : नकद ....डीडी/चैक..........

ukV % o"kZ ,d@rhu@ikap dh lnL;rk ds fy, MhMh@pSd ij 50@&vfrfjDr cSd pktZ tksMdj nsuk gksxkA
QkeZ lkQ lkQ Hkjdj lkjk lp viMsV ds uke MhMh@pSd ds QkeZ ds lkFk fuEu irs ij Hkst sa ;k dsoy vkfQl esa tek djk,] QkeZ vki www.sarasach.com / join-us/ ls dkih dj ldrs gSA

irk % 12@596] xyh ua cj&2] oSLV xq: vxn uxj] fu;e Kku dqat dkykuh]
y{eh uxj] fnYyh&92

bZ&esy & sarasach99@gmail.com, info@sarasach.com
eksckby % 999&000&4667 &7067 Qksu% 011-65100636

'आप' सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार : अमित शाह

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने रामलीला मैदान से नगर निगम चुनाव प्रचार का शंखनाद करते हुए कार्यकर्ताओं को जीत का संकल्प दिलाया। साथ ही अरविंद केजरीवाल सरकार को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि यह सबसे भ्रष्ट सरकार है। कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव की कमी को निगम चुनाव में पूरी करने का आह्वान करते हुए दिल्ली सरकार के भ्रष्टाचार को जन–जन तक पहुंचाने को कहा। उन्होंने इस चुनाव को अगले विधानसभा चुनाव से जोड़ते हुए कहा कि नगर निगम में जीत दिल्ली से आम आदमी पार्टी (आप) को उखाड़ने की नींव साबित होगी।

उन्होंने भाषण की शुरुआत संगठन में कार्यकर्ताओं का महत्व बताने के साथ की। उन्होंने उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं को दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार का कामकाज, मोदी का व्यक्तित्व और जनता का उनके प्रति प्यार तो जीत का कारण है ही, लेकिन सबसे बड़ा कारण बूथ पर लड़ता हुआ भाजपा का कार्यकर्ता है। पांचों राज्यों में चुनाव प्रचार की शुरुआत इसी तरह से बूथ सम्मेलन से किया गया था, जहां वे जीत का संकल्प लेकर गए थे और परिणाम सबके सामने है। इसी तरह से दिल्ली के कार्यकर्ताओं को भी जीत का संकल्प लेकर जाना चाहिए।

उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र करने के साथ ही केंद्र सरकार की अन्य उपलब्धियां भी गिनाई और कार्यकर्ताओं से इसे घर–घर पहुंचाने का आह्वान किया, लेकिन उनके भाषण के केंद्र में दिल्ली सरकार थी। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि नगर निगम चुनाव में भाजपा आप को घेरने में कोई कोर

कसर नहीं छोड़ेगी। आप सरकार के मंत्रियों और विधायकों पर लगे भ्रष्टाचार व अन्य आपराधिक मामलों को उठाकर उसे चुनावी मुद्दा बनाने का भी संकेत दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री को नगर निगम चुनाव प्रचार करने से पहले अपने 13 विधायकों के खिलाफ लगे आरोपों की न्यायिक जांच कराने की भी चुनौती दी।इसी तरह से विधानसभा चुनाव में आप द्वारा किए गए उन वादों को भी मंच से उठाया जो अब तक पूरे नहीं हुए हैं। केजरीवाल की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले युवाओं और महिलाओं को लक्ष्य करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा और महिला सुरक्षा को लेकर आप ने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं किए गए।

महिला सुरक्षा को लेकर आप ने तीन पेज में वादे किए थे, उनमें से तीन लाइन पर भी अमल नहीं हुआ है। उन्होंने केंद्र व आप सरकार के बीच टकराव का जिक्र करते हुए इसे दिल्ली के विकास में सबसे बड़ा बाधक बताया। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में विकास यज्ञ चल रहा है। दिल्ली भी इसमें शामिल हो, इसके लिए जरूरी है कि यहां नगर निगम व राज्य सरकार ऐसी हो जो केंद्र के साथ मिलकर विकास के लिए काम करे न कि अनावश्यक लड़ाई। इसलिए निगम में भाजपा की जीत जरूरी है। इससे अगले विधानसभा चुनाव में भी भाजपा का मार्ग प्रशस्त होगा।

चुनाव आयोग ने दिल्ली हाईकोर्ट में कहा

स्वराज इंडिया पार्टी से भेदभाव नहीं

नई दिल्ली । दिल्ली राज्य चुनाव आयोग ने हाईकोर्ट में कहा कि स्वराज इंडिया पार्टी के साथ भेदभाव नहीं किया जा रहा है। आयोग ने न्यायमूर्ति हिमा कोहली के समक्ष कहा कि उसके पास 27 ऐसी पंजीकृत, लेकिन अपरिचित पार्टियों ने एकसमान चुनाव चिन्ह देने के लिए आवेदन किया था। किसी को भी एकसमान चुनाव चिन्ह नहीं दिया गया है। अदालत स्वराज इंडिया की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उसने एकसमान चुनाव चिन्ह प्रदान करने की मांग की है। आयोग ने कहा कि उसे एकसमान चुनाव चिन्ह देने का अधिकार ही नहीं है। यह अधिकार केवल भारतीय चुनाव आयोग को है और हमने उसी के अनुसार नियम तय किए हैं। निगम चुनाव में ईवीएम में प्रत्याशी की फोटो भी लगाई जा रही है, ऐसे में मतदाताओं को कोई परेशानी नहीं होगी। स्वराज इंडिया ने अंतिम समय में याचिका दायर की है। हम ऐसी स्थिति में नहीं हैं कि निर्णय कर सकें। चुनाव की अधिसूचना भी जारी की जा चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार अधिसूचना जारी होने के बाद अदालत को हस्तक्षेप से बचना चाहिए।पेश याचिका में बताया गया है कि आम आदमी पार्टी से निष्कासन के बाद योगेंद्र यादव व अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने स्वराज इंडिया पार्टी का गठन किया।

laifÙk dj ij fot; xks;y dk iyVokj

नई दिल्ली । हाउस टैक्स माफी को लेकर दिल्ली सरकार व विपक्ष के बीच तकरार जारी है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा था कि जिस तरह से नगर निगम ने केंद्रीय खेल राज्य मंत्री विजय गोयल की हवेली का टैक्स माफ किया है उसी तरह से आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली के लोगों का हाउस टैक्स माफ करेगी।

इस पर गोयल ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री गलत बयानबाजी कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री की सिफारिश पर ही हवेली धर्मपुरा सहित अन्य धरोहरों की संपत्ति व अन्य कर माफ किया गया है।उन्होंने कहा कि हवेली धर्मपुरा समेत अन्य धरोहरों को वर्ष 2009 में अधिसूचित धरोहर की सूची में शामिल किया गया है। उस समय इस हवेली का स्वामित्व किसी और के पास था। नगर निगम उत्तरी ने जिन धरोहरों की संपत्ति व अन्य कर माफ किया है, उसकी सिफारिश उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की अध्यक्षता में सितंबर 2015 में हुई शाहजहांनाबाद पुनर्विकास निगम की बैठक में की गई थी।

दिल्ली सरकार का कहना था कि इन इमारतों से कोई राजस्व प्राप्त नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि आप सरकार ने नगर निगमों को पत्र लिखकर हाउस टैक्स व अन्य शुल्क बढ़ाने को कहा था। यह सच्चाई लोगों के सामने आने के बाद सिसोदिया लोगों को गुमराह करने के लिए हवेली को लेकर बेबुनियाद बातें कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री ने नगर निगम चुनाव जीतने पर दिल्लीवासियों का हाउस टैक्स माफ करने की घोषणा की है।

अदालतें नियमित रूप से आदेश की कॉपी वेबसाइट पर करें अपडेट

नई दिल्ली। दिल्ली जिला न्यायालय की तरफ से निर्देश जारी किया गया है कि सभी अदालतें नियमित रूप से अपने आदेश की कॉपी वेबसाइट पर अपडेट करें। इससे पीड़ित, आरोपी व वकील को बिना किसी परेशानी के ऑर्डर की कॉपी उपलब्ध हो जाएगी।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश (मुख्यालय) रविंद्र कौर द्वारा जारी किए गए सर्कुलर में कहा गया कि दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देश के अनुसार जिला अदालतों के जल की जिम्मेदारी है कि वह नियमित रूप से अदालत के आदेश और रोजमर्रा के आदेशों की कॉपी वेबसाइट पर अपडेट करें। अपने स्टॉफ को निर्देश दें कि आदेश पर हस्ताक्षर करने के तुरंत बाद इन्हें वेबसाइट पर अपडेट कर दिया जाए।

जज खुद इस प्रक्रिया पर नजर रखें। आदेश पर अमल नहीं करने और कोताही बरतने वाले अफसरों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। लोगों को आदेश की कॉपी ऑनलाइन मिल जाने से अदालत के चक्कर काटने से बच सकेंगे। कर्मचारियों का बोझ भी कम होगा।

bZoh,e ls gh gksxk fnYyh ,elhMh ds pquko

dkaxzsl&vki dk >Vdk

नई दिल्ली। ईवीएम पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय माकन की एक नहीं चली। दिल्ली राज्य निर्वाचन आयोग ने कहा है कि 22 अप्रैल को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनावों में ईवीएम के जरिये ही वोट डाले जाएंगे।पांच राज्यों के चुनाव परिणाम आने के बाद बसपा प्रमुख मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ईवीएम पर सवाल उठाया था। दोनों के सुर में सुर मिलाते हुए केजरीवाल और माकन ने भी ईवीएम पर सवाल उठाए थे।

केजरीवाल ने मुख्य सचिव को निर्देश तक दे दिए थे कि नगर निगम चुनावों में बैलेट बॉक्स की व्यवस्था की जाए, लेकिन राज्य चुनाव आयोग

ने दिल्ली सरकार को बता दिया है कि नगर निगम चुनाव ईवीएम से ही होंगे।राज्य चुनाव आयुक्त एसके श्रीवास्तव ने कहा कि दिल्ली सरकार का एक नोट आया था, जिसका उन्होंने जवाब दे दिया है।

उन्होंने कहा कि आयोग ने दिल्ली सरकार को ईवीएम की सुरक्षा से संबंधित पूरी जानकारी दी है। सरकार को बताया गया है कि ईवीएम की कितनी बार जांच होती है। वर्ष 2007 से ईवीएम से चुनाव होता आ रहा है। यह भी सरकार को बता दिया है कि बैलेट से चुनाव कराने के लिए सरकार को नियमों में बदलाव करना होगा। अब समय कम है। हम ईवीएम से चुनाव कराने की तैयारी कर रहे हैं।उन्होंने बताया कि अब बैलेट बॉक्स बनने बंद हो गए हैं। उसके लिए फिर से प्रक्रिया शुरू करनी होगी। आयुक्त ने कहा कि यहां हुई सभी दलों की बैठक में भी अजय माकन की ओर से यह मुद्दा आया था कि चुनाव बैलेट पेपर से कराया जाए।

इससे पूर्व, अजय माकन ने ट्वीट

किया था कि लोग ईवीएम से चुनाव पर सवाल उठा रहे हैं। ऐसे में केजरीवाल से अपील है कि वे निष्पक्ष और निर्विवाद चुनाव के लिए बैलेट पेपर के जरिये चुनाव कराएं।

माकन ने ईवीएम पर उठाया था सवाल–

ट्वीट कर मुख्यमंत्री से बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग के साथ ही माकन ने प्रेस वार्ता में भी कहा कि ईवीएम पर संदेह जताया जा रहा है। लोकतंत्र में चुनाव निष्पक्ष हो तथा चुनाव की विश्वसनीयता बनी रहे इसके लिए निगम चुनाव बैलेट पेपर से होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी में ईवीएम में वोट वेरिफायर पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) के इस्तेमाल की बात कही थी ताकि चुनाव में पारदर्शिता रखी जा सके, लेकिन अब तक चुनाव आयोग ने इस तकनीक को लागू नहीं किया है। अमेरिका सहित विश्व के कई विकसित देश चुनाव में आज भी बैलेट पेपर का इस्तेमाल करते हैं। किसी भी मतदाता के मन में कोई संशय न रहे, इसके लिए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की जरूरत है।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक व संपादक **सलीम अहमद** द्वारा मयंक ऑफसेट प्रोसेस 794/95, गुरू रामदास नगर एक्सटेंशन, लक्ष्मी नगर, दिल्ली–92 से मुद्रित व 12/596, गली नंबर–2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली–92 से प्रकाशित।
संपादक : **सलीम अहमद**. सारा सच अपडेट पाक्षिक समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों व समाचारों की सहमति आवश्यक नहीं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा.